दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्ष :-04
अंक:-255
मुरादाबाद
05 January 2025
(Sunday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है', 'ग्रामीण भारत महोत्सव' में बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि आर्थिक नीतियां गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने ये काम किया है। दो-तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने पीएम फसल योजना को एक साल और बढ़ाने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साल 2025 की शुरुआत में ग्रामीण भारत महोत्सव का भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा को दर्शा रहा है। इसके आयोजन के लिए नबार्ड और अन्य सहयोगियों को बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि आर्थिक नीतियां गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने ये काम किया है। दो-तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने पीएम फसल योजना को एक साल और बढ़ाने को मंजूरी दी है। किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी-प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। हमने बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली को बढ़ाया है। हमने स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। आज गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टएप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। किसानों को फसलों का सही दाम मिले, इसके लिए साल 2021 में अलग मंत्रालय का गठन किया गया। ग्रामीण इलाकों में बढ़ी क्रय शक्ति-पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में एक अहम सर्वे हुआ है, जिसमें पता चला कि साल 2011 की तुलना में अब ग्रामीणों की क्रय शक्ति करीब तीन गुना बढ़ गई है। अब गांव के लोग पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आजादी के बाद देश के ग्रामीण खाने पर 50 प्रतिशत आमदनी खर्च कर रहे थे। यह पहली बार है कि यह दर 50 फीसदी तक घट गई है।% प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि %पूर्व की सरकारों ने दलितों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के लोगों की परेशानियों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते गांवों से पलायन हुआ और गरीबी बढ़ी। गांवों और शहरों में लगातार अंतर बढ़ रहा है। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है। जिन इलाकों को विकास से वंचित रखा गया, अब वहां समान अधिकार मिल रहे हैं। कल ही स्टेट बैंक ने रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार, साल 2012 में भारत में ग्रामीण इलाकों में गरीबी 26 प्रतिशत थी, लेकिन 2024 में यह घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है 4 जनवरी से 9 जनवरी तक चलेगा महोत्सव-ग्रामीण भारत महोत्सव का आयोजन 4 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक होगा और इसकी थीम विकसित भारत 2047 के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण रखी गई है। इस महोत्सव के दौरान ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस महोत्सव में विभिन्न चर्चाओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके जरिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण और ग्रामीण समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य सरकार टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने के साथ ही उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना है।

बांदीपोरा में सेना का ट्रक खाई में गिरा... चार जवानों की मौत, दो घायल

बंदीपोरा में सेना का वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार जवानों की मौत हो गई है, जबकि दो घायल हो गए हैं। यह हादसा फिसलन के कारण हुआ।जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार सैनिकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में शनिवार दोपहर यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि फिसलन के कारण सेना का एक ट्रक पहाड़ी से नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। इनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।यह दुर्घटना बंदीपोरा के सदरकूट पाईन इलाके में हुई जहां सेना का ट्रक फिसलन के कारण खाई में जा गिरा। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और सेना के अन्य जवान राहत कार्य में जुट गए। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

खनौरी बॉर्डर पर किसान महापंचायतः अनशन पर बैठे डल्लेवाल को स्ट्रेचर से मंच पर लाया गया, सभा को करेंगे संबोधित

महापंचायत में पंजाब और हरियाणा से किसान बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। जींद की ओर से भी किसान जत्थे के रूप में लगातार खनौरी बॉर्डर की ओर बढ़ रहे हैं।खनौरी बार्डर पर चल रही महापंचायत में आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को स्ट्रेचर से लाया गया है। डल्लेवाल शारीरिक रूप से काफी कमजोर हो चुके हैं। वह खुद बैठ भी नहीं सकते। उनकी लगातार कमजोर हो रही हालात को देखते हुए, मंच पर स्ट्रेचर से संबोधित करवाया जाएगा।हालांकि डल्लेवाल बोलने में भी असमर्थ हैं, लेकिन महापंचायत में वह अपनी मांगों को लेकर किसानों को संबोधित जरूर करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा की गई वादाखिलाफी से आहत होकर डल्लेवाल आमरण अनशन कर रहे हैं। डल्लेवाल स्ट्रेचर से ही किसानों को सरकार से लड़ने व अपनी मांगों को मनवाने के लिए अपील करेंगे। इसमें कई किसान संगठनों के लोग शामिल हुए हैं। घने कोहरे के कारण किसान बड़ी संख्या में महापंचायत में पहुंचे हैं।फिलहाल किसान नेताओं का मंच से संबोधन जारी है। एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों के हक और अधिकार, और आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की जा रही है। कई संगठनों के नेता सरकार पर दबाव बनाने के लिए एकजुटता का आह्वान कर रहे हैं। किसानों और केंद्र के बीच गतिरोध खत्म करके बातचीत शुरू की जाए। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह ने केन्द्रीय कृषि मंत्री से यह अपील की है। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र ही किसानों को बातचीत के राजी कर सकता है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ नई मंडीकरण नीति को लेकर बैठक की।

संक्षिप्त समाचार

कहते थे सरकारी गाड़ी-बंगला नहीं लेंगे आज 45 करोड़ का शीशमहल..., केजरीवाल पर अमित शाह का हमला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह राजनीति में आए तब कहते थे कि हम सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे, सरकारी बंगला नहीं लेंगे। मगर आज 45 करोड़ रुपये का शीश महल बना लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नए कामकाजी महिला छात्रावास ब्लॉक सुषमा भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने इस दौरान सुषमा स्वराज को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में याद किया। वहीं, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह (केजरीवाल) राजनीति में आए तब कहते थे कि हम सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे, सरकारी बंगला नहीं लेंगे। मगर आज 45 करोड़ रुपये का शीश महल बना लिया।बता दें, छात्रावास का नाम पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के नाम पर रखा गया है। वो दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रही थीं। सुषमा भवन का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि सुषमा जी को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में सदैव याद किया जाएगाउन्होंने आप नेता पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ बच्चे मुझसे मिलने मेरे घर आए थे। मैंने उनसे पूछा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लिए क्या किया है? मगर मैंने ही गलती से जबाव दे दिया कि कुछ नहीं। इसपर बच्चों में से एक ने कहा कि ऐसा नहीं हैं। उन्होंने अपने लिए एक बड़ा शीश महल बनवाया है। जब वह (अरविंद केजरीवाल) राजनीति में आए थे

IIT मद्रास के छात्रों से मिले राहुल गांधी, शिक्षा प्रणाली पर उठाए सवाल,कहा- बेहतर भविष्य के..

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान की शिक्षा प्रणाली पर फिर से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने आईआईटी मद्रास के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत में कहा कि बेहतर भविष्य और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने के लिए यह जरूरी है कि देश की मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार किया जाए तथा शिक्षा पर अधिक पैसा खर्च किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बातचीत का यह वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया।उन्होंने कहा, 'मुझे हाल ही में आईआईटी मद्रास के

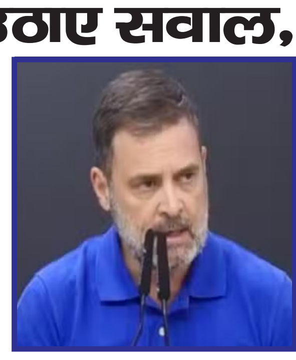

कुछ प्रतिभाशाली युवाओं से बात करने का सौभाग्य मिला। साथ में, हमने जानने की कोशिश की कि सफलता का असली मतलब क्या है। हमने भारत के भविष्य को आकार देने में अनुसंधान और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका तथा एक ऐसे उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की जो निष्पक्षता, नवाचार और सभी के लिए अवसर को महत्व देता है।'शिक्षा प्रणआली पर विचार किया जाए-उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने युवाओं को शिक्षित करने, बेहतर कल की कल्पना को साकार करने और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता में बदलने के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर फिर से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में, हमारा शिक्षा ढांचा अक्सर युवाओं को कुछ करियर जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, या सशस्त्र बल तक सीमित कर देता है।'भारत को विश्व मंच पर समानता... राहुल गांधी ने कहा कि यह विविध अवसरों को खोलने, छात्रों को अपनी आकांक्षा को पूरा करने और नवाचार एवं पसंद से प्रेरित भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाने का समय है। उनके विचारशील प्रश्नों और ताज़ा दृष्टिकोण ने इसे वास्तव में प्रेरणादायक बातचीत बना दिया।'उन्होंने यह वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'मानना है कि अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देना किसी भी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। इसे निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से हासिल नहीं किया जा सकता। हमें शिक्षा पर अधिक पैसा खर्च करने तथा सरकारी संस्थानों को मजबूत करने की जरूरत है।'

'BJP ही वह माचिस की तीली, जिसने मणिपुर को जलाया', हालिया हिंसा पर कांग्रेस ने PM मोदी पर साधा निशाना

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा का मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने में कोई न कोई स्वार्थ है। राज्य में 250 से अधिक निर्दोष लोग मारे जा चुके हैं और 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। मणिपुर में तनाव कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जैसे ही लगता है कि अब हालात नियंत्रण में है, तभी फिर हिंसा भड़क जाती है। इसे लेकर कांग्रेस लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रही है। ताजा हिंसक घटनाओं के बाद विपक्षी पार्टी ने कहा कि पीएम राजधर्म का पालन नहीं करने की संवैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।भाजपा ही माचिस की तीली-कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा का मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने में कोई न कोई स्वार्थ है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही वह माचिस की तीली है, जिसने मणिपुर को जलाया। इसके अलावा उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर ताजा हिंसा के बारे में एक खबर की कटिंग साझा की है। उन्होंने प्रधानमंत्री की मणिपुर यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी जी, आप जनवरी 2022 में मणिपुर का दौरा करने गए थे, वो भी भाजपा के लिए वोट मांगने। जबकि राज्य में तीन मई 2023 को हिंसा भड़की थी। करीब 600 से अधिक दिन बीत गए। मीडिया रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरें दिखाई गई हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे एक के बाद एक गांव का सफाया होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कांगपोकपी जिले के पुलिस अधीक्षक पर हमले की घटना भी सामने आई है, जिसमें पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अक्षम और बेशर्म मुख्यमंत्री ने खेद जताया है, मगर राज्य में लोगों को नजरअंदाज कर दिया है। 250 से अधिक लोग मारे गए-खरगे ने यह भी कहा कि भाजपा का राज्य को अस्थिर रखने में कोई स्वार्थ है। 250 से अधिक निर्दोष लोग मारे जा चुके हैं और 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। लोग 20 महीने से शिविरों में रह रहे हैं। मणिपुर में शांति स्थापित करना केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है। ये रखी थीं मांगे- उन्होंने कहा, छह दिसंबर को मणिपुर में इंडिया (ब्लॉक) पार्टियों ने मणिपुर मामले में तीन सामान्य और जरूरी अनुरोध किए थे। पहला साल 2024 के खत्म होने से पहले मणिपुर की यात्रा करें, दिल्ली में सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को बुलाएं और मणिपुर में सीधे हस्तक्षेप करें, लेकिन प्रधानमंत्री ने इनमें से कोई भी कदम नहीं उठाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री इनमें से कुछ करें, मगर वह संवैधानिक जिम्मेदारी से नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने राजधर्म का पालन नहीं किया।

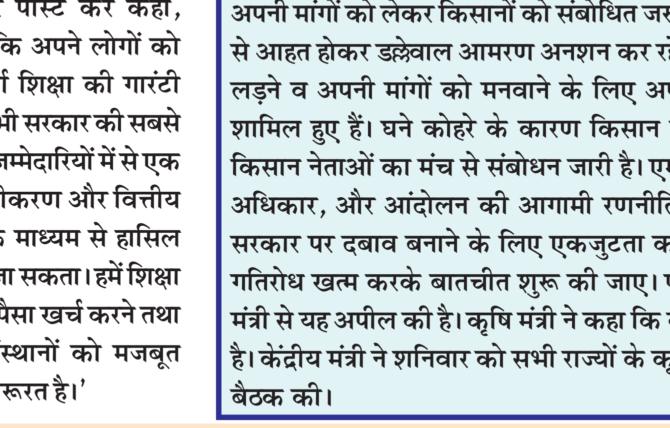

संपादकीय Editorial

This is a year of upheaval!

Prime Minister Modi has started the new year with peace, brotherhood and faith. He has sent a chaadar of faith to the shrine of Khwaja of Ajmer Sharif. This is the 11th chaadar of the Prime Minister, which has been taken by Union Minister Kiren Rijiju and some senior officials of the secretary level to Ajmer. Before Ajmer, Rijiju offered chaadar at the holy shrine of Nizamuddin Auliya in Delhi. Prime Minister Modi has made this effort when some Hindu organizations have claimed that there is a Shiva temple under the holy shrine of Ajmer. The Mughals built the Ajmer mosque and dargah by demolishing that temple. However, more Hindus than Muslims have been going to Ajmer Sharif to pray and offer chaadar. Ignoring this tradition, a case has also been registered in the court. The Prime Minister's chaadar of faith has brought the Hindu and Muslim sides face to face. Some Hindutva faces are also said to be angry with the Prime Minister and are hell-bent on finding temples under mosques in some areas including Ajmer-Sambhal, so digging work is going on in violation of the Supreme Court's order. Will the Supreme Court take cognizance and take contempt proceedings? Can the BJP leaders oppose the appeal of Sarsanghchalak Mohan Bhagwat? Do they have such audacity? The Sarsanghchalak wants that after the construction of Lord Shri Ram's temple in Ayodhya, the search for Shivalaya, Mahadev's temple under every mosque should be stopped. No person should have the illusion of becoming a 'leader of Hindus' by doing these activities. Anyway, if the order of the apex court is being violated, then it is possible that a constitutional crisis may also emerge in the country in the new year! Some elements are neither listening to the Prime Minister, nor do they want to listen to the Parliament, nor is the decision of the Supreme Court acceptable to them, what will happen as a result? If a constitutional crisis emerges in the country, then all the systems of our democracy can be questioned! That is, the republic itself can be put at stake! This year, controversial bills like Waqf Board and 'One Country, One Election' are also to be passed in Parliament. The country's politics is completely divided on these bills and the conditions of communal tension and violence are also clear. The question is whether 2025 will prove to be a year of turmoil on communal, ideological basis? Assembly elections are to be held in Delhi and Bihar this year, so the revelation made by the office of the Lieutenant Governor of Delhi regarding the demolition of religious places will also heat up the politics. The Lieutenant Governor's Secretariat has revealed that on February 8, 2023, the then Chief Minister Kejriwal had recommended the demolition of 9 temples. Similar recommendations were also made by the then Deputy Chief Minister of Delhi Manish Sisodia and Home Minister Satyendra Jain. During 2016-23, the then 'AAP' government had recommended the demolition of 24 temples and religious places. There is no reference to a single mosque in these religious places. However, the Lieutenant Governor had rejected all those recommendations. These are the quotes of communal division, tension and conflict, which can sow turmoil in the condition of the country. In these conditions, Prime Minister Modi on Friday laid the foundation stone and inaugurated projects worth about Rs 4500 crore. A college has been built in Delhi in the name of Veer Savarkar. The letter that Kejriwal had recently written to Sarsanghchalak Bhagwat also mentioned the issues of vote-cutting and buying. Apart from this, the movements of bandh, hunger strike, chakka jam, rail roko etc. being carried out in Punjab and Bihar can also disturb the peace and stability of the country.

Demand for new politics in the new year, need for meaningful discussions to make democracy better

Today our democracy is dominated by criminals and the wealthy. On seeing the affidavits of candidates on the Election Commission's website, one is surprised to see the social profile of the people claiming to be the representatives of the public. Is it not surprising that 95 percent of the MPs in the current Lok Sabha are crorepatis and criminal cases are pending against 251 members? The Indian Republic is celebrating its 75th anniversary. This republican maturity expects that our democracy should also show maturity in accordance with it. A contradiction is seen in our democracy. Contrary to the doubts of Western scholars, the democratic beliefs of the people remain strong, but the political parties and leaders who are the carriers of democracy are yet to be in harmony with those democratic beliefs. As a result, democracy has been gripped by many inconsistencies. In the new year, we take individual resolutions to improve ourselves, but we have to take a collective resolution to improve our democracy further. We have to move towards new politics. In his last speech in the Constituent Assembly on November 25, 1949, Dr. Ambedkar, the chairman of the Constitution Drafting Committee, pointed out this contradiction and warned that for social harmony and brotherhood, democracy should not be run with a feudal mindset, but political parties and leaders have not been able to come out of the feudal mindset. They find only their own relatives reliable as successors. There is a place for diversity and opposition in democracy, but not for animosity. Democracy recognizes parties and leaders who do politics on the basis of diverse ideologies. We got independence under the leadership of Gandhiji, but the contribution of Subhash Chandra Bose and those who fought under his leadership and other martyrs cannot be underestimated. The Congress ideology benefited in the initial political competition. Leftist and rightist ideologies were neglected, but that did not reduce their importance. Due to the leftist inclination of the first Prime Minister Jawaharlal Nehru, the Congress inclined towards the left, but then the country sidelined both the Congress and the left and handed over power to the right wing. We will have to accept it. This is the demand of mature democratic politics. Today, instead of ideologies, caste identities are becoming dominant in political competition and are distorting the democratic culture, which also adversely affects social harmony. Since 2014, Prime Minister Narendra Modi, with the mantra of 'Sabka Saath Sabka Vikas', has sidelined the grip of caste identities and oriented the society from caste politics to class politics. Due to this, Indian democracy has moved towards inclusive politics. He got the benefit of this and created history by forming the government for the third consecutive time. Opposition to anyone from the right-wing ideology of BJP is completely constitutional, but the Constitution does not recognize animosity towards Modi or BJP. All politicians will have to understand this essence in the new year. In Indian politics, there is often talk of Hindu-Muslim duality. Parties accuse each other. The parties and leaders who accuse other parties and their leaders of religious polarization, themselves also seem to be seeking political support on religious grounds. Congress cannot escape the responsibility of dividing the country on the basis of Hindu-Muslim. At the same time, it cannot be ignored that instead of allowing Indian Muslims to integrate into Hindu society, it separated them from it as a minority and adopted a policy of appeasement for political gains. This harmed both Muslims and Congress. Due to this policy of Congress, most Muslims started considering Hindus as their enemies, whereas there are Hindus in Congress and other such political parties. It should be kept in mind that no party can be completely satisfied with the policy of appeasement. Its demands keep increasing like the mouth of Surasa, and if they are not fulfilled, the parties and politicians lose their trust. This situation also gives rise to religious polarization in the society. There was a time when Hindu-Muslim harmony was a reality. Today, except for exceptions, that social harmony is not visible. Both have become disconnected from each other. This is a sad truth. It has to be faced and resolved. Today, our democracy has come under the control of criminals and the rich. On seeing the affidavits of candidates on the Election Commission's website, one is surprised to see the social profile of the people who are claiming to be the representatives of the people - and that too as the candidates of big political parties. Is it not surprising that 95 percent of the MPs in the current Lok Sabha are crorepatis and criminal cases are pending against 251 members? Have the political parties forgotten that there are also clean, poor common people in this country, who may have their own political ambitions. Will they ever get a chance? Will the political parties take a resolution in the new year that instead of criminals and the rich, common and capable people should be given priority in politics? Many such questions surround Indian democracy. One reason for this is that there is a complete lack of internal democracy in political parties and most of the parties are run by feudal culture. It is also a fact that today there is a lack of mutual dialogue and harmony among the various national and provincial parties. Due to this, there is no mutual discussion among them to make democracy better. Instead of this, there is only accusation and counter-accusation on each other - There seems to be a competition to put up a new face and display the lowest level of thoughts, language and behaviour. Will all political parties as well as the general public take a pledge for a new beginning, a new politics in the new year? Will we all start a new democracy imbued with a new political culture on the 75th anniversary of the Republic?

School education freed from a major anomaly, more attention will have to be paid to the learning process

According to the report of the Yashpal Committee of 1992, the main reason behind children dropping out of school is the burden of school bags and the burden of teaching a foreign language. Due to the policy of no failure, teachers were becoming more careless towards poor children. It seemed as if they were not responsible for their passing or failing. It is welcome that the Central Government has removed a major anomaly in the Right to Education Act, 2009. Now, from the new session, only those students who pass the fifth and eighth class examinations will be able to go to the next classes. From the year 2010, classes up to eighth in the entire country were freed from the pass-fail rule. This was done under the guise of the limited logic that failing makes children leave school, their morale falls and they get stressed. Therefore, they were being promoted to the next class without examination. It is true that education does not mean only exams and students should be kept free from the stress of exams, but this rule not only harmed school education but also ruined college education. Its worst effect was on government schools across the country. Most of the children in government schools are from poor families whose economic-social condition is not good. They have neither the time nor the ability to pay attention to the education of their children. A child left home for school, but whether he actually went to school or not or what he studied, this information will be known only when he passes or fails after giving the exam. Due to the policy of not failing till the eighth standard, children were reaching the next class, but many of them did not know anything. This also started creating many problems for the teachers of the next class. As a result, school education deteriorated further. For the last decade, surveys of Pratham and other similar organizations were repeatedly highlighting that an eighth class child does not know fourth class mathematics or a fifth class child cannot read the second class Hindi book. After such reports, some questions are raised on the education system for a couple of days, but no serious thought is given to improving it. In such a situation, private schools were moving ahead in comparison to government schools. The advisors who adopted the easy path of not failing the children to prevent them from dropping out of school, did not give any suggestion that could solve this problem. When these children kept failing in class IX-X despite being given several opportunities, the state governments were forced to appeal to the Center to immediately end the policy of not failing, because this will further deteriorate the level of education in government schools. In 2016, the Central Education Advisory Board, taking note of the states, advised the Central Government to change this policy. In 2019, the Central Government, with the consent of the states, made the amendment that children will be promoted to the next classes only after the examination, but left it to the states to implement it. Since the Right to Education is a law of the Concurrent List, this was not possible without the consent of two-thirds of the state governments. 16 states including Delhi, Assam, Bihar, Gujarat, Himachal changed it, but states and union territories like Karnataka, Chhattisgarh, Uttar Pradesh were following the policy of not failing in class 5th and 8th. Now, after the decision of the central government, the policy of failing in class 5th and 8th has been implemented in all the schools of the country from this session itself. The best thing in this reform is that if a child fails, he will be given another chance after two months. Meanwhile, schools will pay special attention to such weak students. Schools have also been instructed that they will focus on the overall personality development of the children and will not strike their names. That is, in any case, the children will have the right to study in the same school. There is definitely a tendency in rural areas to not complete school education and leave it midway, but only the pass-fail conditions are not responsible for this. Children should have some knowledge of reading and writing. Passing them in class 8th in statistics will not benefit them in the future, because they will have to appear for exams to get admission in engineering, medical or for a job. The argument that failing in class 5th and 8th will increase the number of children dropping out of school is not convincing. According to the report of Yashpal Committee in 1992, the main reason behind children dropping out of school is the burden of school bags and the burden of foreign languages. Due to the policy of no failure, teachers were becoming more careless towards poor children. It seemed as if they were not responsible for their passing or failing. After this reform, the responsibility towards studying will increase in schools, teachers, parents and children. It should be hoped that this will also increase the quality of education in government schools.

दो बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत, युवक की मौत...बहन को कॉलेज में छोड़कर वापस घर लौट रहा था

मुरादाबाद। सोनाकपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ़्तार दो बाइकों की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई। दोनों बाइक सवार गिरकर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने दोनों घायलों को उठाकर इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची। जहां एक बाइक सवार घायल प्रेमवीर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दूसरे बाइक सवार घायल का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस हादसे में क्षतिग्रस्त हुई दोनों बाइकों को थाने ले आई। थाना क्षेत्र सरथल खेड़ा निवासी प्रेमवीर सिंह (20) पुत्र अतहर सिंह शनिवार सुबह 10 बजे बाइक से अपनी बहन भावना को परीक्षा देने कॉलेज छोड़कर वापस अपने घर लौट रहा था। तभी नंगला के बीच सामने से आ रही बाइक से उसकी बाइक की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतने भयंकर थी दोनों ही बाइक सवार बाइकों से गिरकर गंभीर रूप घायल हो गए। हादसे के बाद हाइवे पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते थाना प्रभारी टीम के मौके पर पहुंचे और सड़क किनारे लहुलुहान हालत में पड़े दोनों घायलों को उठाकर इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने प्रेमवीर को देखते ही मृत घोषित कर दिया। जानकारी करने पर मृतक प्रेमवीर के पिता ने बताया कि उनकी बेटी भावना की एमए की परीक्षा चल रही है। प्रेमवीर भावना को कॉलेज में छोड़कर वापस अपने घर लौट रहा था। तभी ये हादसा हो गया।

अमीषा पटेल के खिलाफ चेक बाउंस में दर्ज होगी रिपोर्ट, 11 लाख रुपए एडवांस लेने के बाद भी कार्यक्रम में नहीं आई

मुरादाबाद। गबन के मामले में अमीषा पटेल अग्रिम जमानत पर रिहा कर दी गई थी। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता होने और रकम वापस करने की बात तय हुई थी लेकिन वादी को मिला चेक बाउंस हो जाने के कारण अब फिर अमीषा पटेल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाने की बात ड्रीम विजन इवेंट कंपनी ओर से की कही गई है। फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल पर आरोप है कि उन्होंने रुपए लेने के बाद भी कार्यक्रम में शिरकत नहीं की थी। जिस वजह से उनके खिलाफ गबन का मामला दर्ज किया गया था। ड्रीम विजन इवेंट कम्पनी के मालिक पवन कुमार वर्मा ने अदालत में अमीषा पटेल एवं अन्य के खिलाफ परिवाद दाखिल किया था। जिसमें उन्होंने अभिनेत्री अमीषा पटेल और अहमद शरीफ, सुरेश परमार, राजकुमार गोस्वामी के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि 16 नवंबर 2017 को एक शादी समारोह में कार्यक्रम लिए बुलाया था। जिसके लिए अमीषा पटेल को तय हुए 11 लाख रुपए एडवांस में दिए गए थे। लेकिन एडवांस रुपये लेने के बाद भी अमीषा पटेल शादी समारोह में नहीं आई। यह रकम पीआर कम्पनी के मालिक राजकुमार गोस्वामी के माध्यम से अमीषा पटेल के पर्सनल असिस्टेंट सुरेश परमार और अहमद शरीफ के द्वारा दी गई थी। जिसके बाद अमीषा पटेल के द्वारा दो लाख रुपये की मांग और की गई थी। इस मामले में 2 फरवरी 2024 को अमीषा पटेल को अग्रिम जमानत मिल गई थी। वादी पवन वर्मा के वकील पंकज शर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझोता हो गया था, जिसमें अमीषा पटेल ने पवन वर्मा को दो-दो लाख रुपए के चार चैक दिए थे। जिसे पवन वर्मा ने जब अपनी बैंक में जमा किया तो चैक बाउंस हो गया। इस मामले में अब अमीषा पटेल को नोटिस जारी किया जाएगा और उनके खिलाफ चेक बाउंस का मुकदमा भी अदालत में दायर किया जाएगा।

ठंड और कोहरे का कहर, नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन...रेंगकर चल रहे वाहन

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी से ठिठुर रहे लोग ,गलन ने कंपाया

मुरादाबाद। उत्तराखंड के पहाड़ों में हो रही बर्फबारी और ठंडी हवा से लोग ठिठुर रहे हैं। बादल छाए

रहने व दिन में भी घने कोहरे की धुंध से दृश्यता बेहद कम हो गई है। हाईवे पर वाहन रेंगकर चल रहे हैं। बादल छाए रहने से शनिवार को भी सूर्यदेव के दर्शन न होने और शीतलहर के चलते जनजीवन प्रभावित हो गया है। लोग ठंड से लोग ठिठुर रहे हैं। सड़कों पर चहल पहल कम है। कड़ाके की ठंड से गर्म कपड़ों में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। न्यूनतम तापमान लुढ़क कर 9 डिग्री पर आ गया है। लोग हीटर, ब्लोअर के सहारे राहत पाने में लगे लोग हैं। कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी बोर्डों के कक्षा 8 तक के स्कूलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने अवकाश घोषित किया है। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर दिन में भी अलाव जलवाने का निर्देश जिलाधिकारी अनुज सिंह ने नगर निगम और नगर निकायों के अधिकारियों को दिया है।

हाथरस से Jio फाइबर मैनेजर का अपहरण, फिरौती लेने मुरादाबाद पहुंचे बदमाश....मुठभेड़ में किडनैपर को गोली लगी

मुरादाबाद। एसटीएफ और हाथरस पुलिस ने मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में नंदन स्वीट्स के पास मुठभेड़ के दौरान जियो फाइबर के मैनेजर अभिनव भारद्वाज को सकुशल बरामद कर लिया। इस दौरान एक अपहरणकर्ता विशाल गोली लगने से घायल हो गया। घायल विशाल अल्मोड़ा जिले के धारानौला थाना क्षेत्र के रजपुरा गांव का रहने वाला है। अपहरणकर्ताओं ने एक जनवरी को हाथरस से अभिनव का अपहरण कर उनकी पत्नी से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने बताया की जनपद हाथरस में अपहरण की घटना को अंजाम देने के बाद अपहरणकर्ता फिरौती की रकम लेने के लिए मुरादाबाद आए थे। इसी दौरान हाथरस पुलिस और एसटीएफ की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान विशाल के गले से गोली निकलकर उसके सीने को पार कर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत नाजुक होने के चलते उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अभिनव को सकुशल बरामद किया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने बंधक युवक अभिनव को सकुशल बरामद कर लिया। एसटीएफ और पुलिस ने सूचना के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पीछा किया और मुरादाबाद में घेराबंदी कर मुठभेड़ को अंजाम दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हाथरस में हुए अपहरण के मामले में एसटीएफ और हाथरस पुलिस की अपहरणकर्ताओं से मुठभेड़ हुई है। जिसमें विशाल नाम का व्यक्ति घायल हुआ है। मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं जिओ फाइबर मैनेजर अभिनव -मूलरूप से बिहार के बेगूसराय निवासी अभिनव भारद्वाज जिओ फाइबर कंपनी में मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं। उनके माता-पिता और स्वजन वर्तमान में गाजियाबाद के गोल चक्कर इलाके में रहते हैं। दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में उनकी ससुराल है। अभिनव की तैनाती दो वर्ष से हाथरस में है। वह पत्नी स्वीटी भारद्वाज और बेटा अंश भारद्वाज के साथ हाथरस के नवल नगर इलाके में रह रहे थे। पत्नी के अनुसार, वह एक जनवरी की दोपहर एक बजे सिकंदराराऊ में दोस्तों के साथ लंच करने की बात कहकर निकले थे। इस बीच उनकी कई बार पति से बात होती रही। शाम सात बजे के बाद उनसे बातचीत बंद हो गई। रात को नौ बजे अभिनव के नंबर से पत्नी पर फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने अभिनव के अपहरण की बात कही। खुद को टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सदस्य बताते हुए 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी।

संभल में बेची वक्फ संपत्तिः अफसरों और नेताओं ने गठजोड़ का हुआ खुलासा, डीएम की करवाई गोपनीय जांच

मुरादाबाद। संभल में वक्फ संपत्तियों के फर्जी बैनामे के मामले में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। जांच में वक्फ संपत्ति बेचने और श्रेणी परिवर्तन कराने में शामिल अधिकारियों पर कार्रवाई तय है। सत्यव्रत पुलिस चौकी की जमीन पर वक्फ का दावा फर्जी पाए जाने पर डीएम के आदेश से तीन सदस्यीय समिति ने यह खुलासा किया। वक्फ संपत्तियों को खुर्दबुर्द किए जाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ संभल कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज हो गई है। अब पुलिस की जांच उन वक्फ जमीनों की ओर शुरू हो गई है जिनके बैनामे कराए गए हैं। जिन वक्फ जमीनों के बैनामे हुए हैं, उससे उन अधिकारियों पर भी गाज गिरनी तय है, जिन्होंने यह बैनामा प्रक्रिया पूरी कराई है।प्रशासन के अधिकारियों को यह भी जानकारी मिली है कि धारा 80 भी वक्फ जमीनों की कराई गई है, जो नहीं की जा सकती। क्योंकि वक्फ संपत्तियों को बेचा नहीं जा सकता है। इन सभी सवालों के जवाब जांच में निकलकर सामने आएंगे। उसके बाद वक्फ संपत्ति बेचने और लेने वाले के साथ अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी तय है।जामा मस्जिद के नजदीक बन रही सत्यव्रत पुलिस चौकी की जमीन पर कुछ लोगों ने वक्फ की जमीन होने का दावा किया था। जो दस्तावेज दिखाए गए वह वैध नहीं पाए गए। इसके बाद ही डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया के आदेश पर एसडीएम के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति की जांच में स्पष्ट हुआ कि वक्फनामा फर्जी है। इसके बाद ही अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई।अब सभी वक्फ संपत्तियों की जांच पुलिस द्वारा की जाएगी। इसमें जिसका जो दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई होनी है। सूत्रों के अनुसार एक 50 बीघा से ज्यादा जमीन का बैनामा हुआ है। उसकी श्रेणी में भी परिवर्तन कराया गया है। इसमें तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारियों पर भी गाज गिरनी तय मानी जा रही है। वक्फ संपत्ति का बैनामा और धारा 80 की कार्रवाई कर श्रेणी में परिवर्तन करना अपराध है। जो वक्फनामा मुतवल्ली द्वारा दिया गया था। उसमें संपत्ति के 20 बिंदु हैं। सभी बिंदुओं पर दर्ज संपत्तियों की जांच कराई जा रही है। जो संपत्ति बेची गई है उसके बेचने का आधार क्या था। इसकी भी जांच कराई जा रही है। संपत्ति बेचने में जो भी दोषी पाया जाएगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। -डॉ. राजेंद्र पैंसिया, डीएम, संभल रिपोर्ट दर्ज होने के बाद जांच शुरू करा दी है। जिन जमीनों के बैनामे मिलेंगे उनकी जांच कराई जाएगी और उसके आधार पर कार्रवाई होगी। -कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी, संभल

यू टर्न लेते समय कार ने बाइक को रौंदा, बाद में मेडिकल स्टोर में घुसी.. दो लोग जखमी

मुरादाबाद। बिजनौर रोड पर यू-टर्न लेते समय कार अनियंत्रित होकर बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मारते हुए मेडिकल स्टोर में घुस गई। इसमें दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे चालक को भीड़ ने पकड़ लिया। पुलिस ने कार जब्त कर जांच शुरू कर दी। यू टर्न लेते समय कार का चालक नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद कार बाइक को रौंदते हुए मेडिकल स्टोर में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। भागने की कोशिश कर रहे कार चालक को लोगों की भीड़ में पकड़ लिया। हादसे के बाद बिजनौर रोड पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और कार को कब्जे में ले लिया।घायल युवकों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। यह हादसा शुक्रवार की शाम आठ बजे बिजनौर रोड स्थित बटवाल बाजार में हुआ। इस दौरान लाल रंग की इनोवा कार टीपी नगर की तरफ से अटल चौक की तरफ जा रही थी। जैसे ही कार बटवाल में सन प्लाजा से थोड़ा आगे पहुंची तभी कार का चालक यू टर्न लेने लगा।कार के वापस मुड़ते ही चालक स्टेयरिंग से नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित कार के चालक ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे। जबकि, उनकी बाइक कार के अगले पहिए में फंस गई। इसके बाद कार बाइक को घसीटते हुए मेडिकल स्टोर के आगे बने स्लैब में जा घुसी।हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई।

संक्षिप्त समाचार

सत्यव्रत पुलिस चौकी का गणतंत्र दिवस पर शुभारंभ संभव, चौबीस घंटे होगी इलाके की कड़ी निगरानी

मुरादाबाद। जामा मस्जिद के पास बन रही सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इसके गणतंत्र दिवस तक पूरा होने की उम्मीद है। चौकी बनने से इलाके की सुरक्षा मजबूत होगी और पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। जामा मस्जिद के नजदीक सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। लिंटर का कार्य पूरा हो गया है। गणतंत्र दिवस से पहले इस पुलिस चौकी के पूरा होने की उम्मीद है। इसी तेजी से कार्य पूरा किया जा रहा है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस चौकी में कार्यालय, हॉल, हवालात और पुलिस कर्मियों के लिए कमरे बनाए जा रहे हैं।इस समय सर्दी में पुलिस कर्मी सर्दी से ठिठुरते रहते हैं। इसके अलावा गर्मी और बरसात में भी यही स्थिति रहती है। पुलिस चौकी स्थापित होने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। लोगों को पुलिस की मदद भी तत्काल मिल सकेगी। पुलिसकर्मियों को भी राहत मिलेगी।एसपी ने बताया कि गणतंत्र दिवस तक इस चौकी में स्टाफ की तैनाती होने की उम्मीद है। मालूम हो 24 नवंबर को हुए बवाल के बाद से पुलिस-प्रशासन सतर्क है। सुरक्षा के लिहाज से ही पुलिस चौकी का निर्माण किया जा रहा है। जिससे जामा मस्जिद के आसपास सुरक्षा बढ़ जाए।सर्वे रिपोर्ट पेश होने के बाद जुमे की नमाज के दौरान जामा मस्जिद पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए। पुलिस के साथ पीएसी और अर्धसैनिक बल तैनात रहा। मस्जिद के सभी रास्तों पर चेकिंग कर लोगों को आगे जाने दिया गया। इसके अलावा जो लोग देहात क्षेत्र से नमाज पढ़ने के लिए पहुंचे उन्हें वापस कर दिया गया।अधिकारियों ने कहा कि वह अपने-अपने क्षेत्र की मस्जिद में नमाज अदा करें। जामा मस्जिद पर तीन घेरों की सुरक्षा व्यवस्था की गई। 32 स्थानों पर मजिस्ट्रेट लगाए गए। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लेने के लिए पहुंचे। इस दौरान ड्रोन से भी निगरानी कराई गई। छतों पर भी पुलिस का पहरा रहा। जो लोग नमाज पढ़ने के लिए पहुंचे उनसे बैरियर पर पूछताछ की गई और चेकिंग की। मालूम हो 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। जिसमें पांच लोगों की जान गई थी और 29 पुलिसकर्मी व कई भीड़ में शामिल लोग घायल हुए थे। इस बवाल के बाद से ही जामा मस्जिद पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जुमा नमाज के दौरान रेंज के जिलों की भी पुलिस बुलाई जाती है। पीएसी और अर्धसैनिक बल के जवानों को भी लगाया जाता है। यह सुरक्षा व्यवस्था एहतियाती तौर पर की जा रही है। बृहस्पतिवार को न्यायालय में सर्वे रिपोर्ट भी दाखिल की गई है। इसके चलते सुरक्षा ज्यादा कड़ी दिखाई दी।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सड़क मार्गो पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चिन्हित ब्लैक स्पाट्स को समाप्त करने के दिये गये निर्देश जिला अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली -छात्र छात्राओं और उनके अभिभावकों को यातायात के नियमों के प्रति किया जाये जागरूक स्कूली वाहनों की फिटनेस व मानकों की समय-समय पर की जाये जांच जिलाधिकारी रविन्द्र

कुमार की अध्यक्षता में आज सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्देश दिये गये कि सड़क मार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चिन्हित ब्लैक स्पाट्स को समाप्त करने की दृष्टि से सुधारात्मक कार्य एक सप्ताह के अन्दर करायें जायें। साइनेज आदि निर्धारित मानकों के अनुरूप लगाये जायें। उक्त कार्य जिन-जिन विभागों एजेंसियों की सड़के हैं सभी के द्वारा कराया जाये। बैठक में चेंकिग के दौरान पकड़े गये अधोमानक वाहनों को रखने हेतु स्थान चिन्हित करने हेतु नगर निगम ब ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिये गये। उक्त के अतिरिक्त रोडवेज के ड्राइवरों का शिविर लगाकर स्वास्थ जांच करने के भी निर्देश दिये गये। बैठक में छात्र/छात्राओं और उनके अभिभावकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विद्यालयों के समस्त स्मार्ट क्लासों में यातायात सुरक्षा संबंधी वीडियो दिखाए जाने तथा पैरेंट्स मीटिंग के दौरान अभिभावकों को जागरूक करने के निर्देश दिये गये। स्कूली वाहनों की फिटनेस व मानकों की समय-समय पर जांच कराने के भी निर्देश दिये गये तथा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे विद्यालयों में स्कूटी या बाइक आदि से ना आये इसके लिये प्रधानाचार्य आदि की जिम्मेदारी तय किये जाने के भी निर्देश दिये गये। नगर क्षेत्र में ई-रिक्शा के कारण होने वाले ट्रैफिक जाम से बचाव हेतु जोन वार व्यवस्था लागू करने के भी निर्देश दिये गये। ड्रिंक एण्ड ड्राइव से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव हेतु जनपद के एंट्री व एक्जिट एरिया तथा टोल प्लाजा के निकट ब्रीथ एनालिज किये जाने हेतु टीम लगाये जाने के भी निर्देश दिये गए बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, एसपी ट्रैफिक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, रोडवेज, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सहित एनएच के सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।।

8 अवैध कालोनियों पर बीडीए ने की ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम द्वारा थाना कैन्ट एवं थाना सुभाषनगर में 8 अवैध कालोनियों के विरूद्व की गयी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जिसमें संजीव पटेल थाना कैन्ट में लगभग 4000 वर्गमटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के, ओम प्रकाश, लक्ष्मी नारायण द्वारा थाना कैन्ट में लगभग 10000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के देवानन्द, वीरेन्द्र पाल आदि द्वारा थाना कैन्ट में लगभग 12000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के ,वीरेन्द्र पाल आदि द्वारा थाना कैन्ट में लगभग

4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के, सड़क, सीसी सड़क, भूखण्डों का चिन्हांकन आदि का कार्य करते हुए अवैध कालोनी का निर्माण, विकास कार्य कराया जा रहा था। लक्ष्मी नारायण आदि द्वारा थाना कैन्ट में लगभग 4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के सड़क, नाली, भूखण्डों का चिन्हांकन आदि का कार्य करते हुए अवैध कालोनी का निर्माण, विकास कार्य कराया जा रहा था। लक्ष्मी नारायण आदि द्वारा थाना सुभाषनगर में लगभग 4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के सड़क, नाली, भूखण्डों का चिन्हांकन आदि का कार्य करते हुए अवैध कालोनी का निर्माण, विकास कार्य कराया जा रहा था। हरी शंकर आदि द्वारा थाना सुभाषनगर में लगभग 7000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के सड़क, नाली, भूखण्डों का चिन्हांकन आदि का कार्य करते हुए अवैध कालोनी का निर्माण , विकास कार्य कराया जा रहा था। वीरेन्द्र पाल आदि द्वारा थाना कैन्ट जुए की पुलिया द्वारा लगभग 4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के सड़क, नाली, भूखण्डों का चिन्हांकन, विद्युत पोल आदि का कार्य करते हुए अवैध कालोनी का निर्माण/विकास कार्य कराया जा रहा था। उक्त अवैध कालोनियों के विरूद्ध उप्र नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की सुंसगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए प्राधिकरण के अवर अभियन्तागण रमन अग्रवाल, अजीत साहनी, सीताराम एवं सहायक अभियन्ता सुनील कुमार आदि एवं प्रवर्तन टीम के द्वारा गुरुवार को 8 अवैध कालोनियों के विरूद्व ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

पेयजल आपूर्ति योजना से खर्च होंगे 20.50 करोड़, मेयर ने लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- इंदिरा नगर वार्ड में अमृत योजना 2.0 के तहत 20.50 करोड़ रुपये की लागत से 24 घंटे पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का काम शुरू हो गया है। शनिवार को मेयर डॉ. उमेश गौतम ने निर्माणाधीन परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र के निवासियों ने मेयर से मुलाकात कर उनके प्रयासों से पेयजल संकट के समाधान के लिए बधाई दी। डाली जायेगी नई पाइप लाइन मेयर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि इंदिरा नगर वार्ड के साथ-साथ अन्य वार्डों में भी पेयजल आपूर्ति के सुधार के लिए कार्य किया जाएगा। इस योजना के तहत इंदिरा नगर वार्ड में दो नए ट्यूबवेल बनाए जाएंगे और

पुरानी पाइपलाइनों को बदलकर नई लाइनें बिछाई जाएंगी। मेयर ने क्षेत्रीय पार्षद के साथ किया निरीक्षण क्षेत्रीय पार्षद सतीश कातिब ने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने अमृत योजना 2.0 के तहत 20 करोड़ 50 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। वार्ड 23 में इस राशि का उपयोग पानी की सप्लाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। शनिवार को मेयर ने जल निगम के सहायक अभियंता और नगर निगम की अवर अभियंता के साथ निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेयर ने ए ब्लॉक राजेंद्र नगर स्थित अग्रवाल इलेक्ट्रिकल्स के सामने पार्क और झूलेलाल पार्क का दौरा किया। उन्होंने दोनों पार्कों में प्रस्तावित ट्यूबवेल स्थलों का जायजा लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे और मेयर को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

विशाल नाम बताकर नजम ने दिया शादी का झांसा, दो साल तक लूटी आबरू, भेद खुला तो बोला- धर्मांतरण करो

पीलीभीत में नाम बदलकर युवती से नजदीकी बढ़ाने के बाद आरोपी नजम ने उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। भेद खुला तो धर्मांतरण कराने के बाद निकाह करने की बात कहने लगा।

पीलीभीत में युवक ने नाम बदलकर युवती से नजदीकी बढ़ाई। फिर उसे प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया। युवती से शारीरिक संबंध बनाए। भेद खुला तो आरोपी युवक धर्मांतरण कराने के बाद निकाह करने की बात कहने लगा। पीड़ित युवती के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 19 वर्षीय पुत्री का जहानाबाद क्षेत्र के मोहल्ला कच्ची हवेली निवासी नजम से जान-पहचान हुई थी। आरोप है कि युवक ने अपना नाम विशाल बताया और उससे दोस्ती कर ली।

पहले प्रेमजाल में फंसाया, फिर शादी का झांसा दिया। आरोपी नजम करीब दो साल तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। कुछ समय उसकी सच्चाई पता चली तो युवती दंग रह गई। युवती ने आरोपी युवक के परिजनों से बात की। युवक के परिजनों ने धर्मांतरण कराने के बाद निकाह का आश्वासन दिया। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने किसी से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी पवन कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले में विवेचना की जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सरकार पर बरसे अजय राय: बोले- यदि मंत्री आशीष पटेल का हो रहा शोषण, तत्काल छोड़ देना चाहिए भाजपा का साथ

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। कहा कि यदि मंत्री आशीष पटेल का शोषण हो रहा है, तो अनुप्रिया पटेल को तत्काल भाजपा का साथ छोड़ देना चाहिए।राजधानी लखनऊ में शनिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि यदि मंत्री आशीष पटेल ने भ्रष्टाचार किया है तो मुख्यमंत्री हिम्मत दिखाते हुए उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। यदि मंत्री सही हैं और सरकार एसटीएफ और सूचना निदेशक मिलकर उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं, तो अनुप्रिया पटेल को अपमान करने वाली सरकार का साथ तत्काल छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस पार्टी इसका स्वागत करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में यह वार्ता की। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया। कहा कि यूपी में जब से योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी है, तब से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त हो गया है। जनता परेशान है। सरकार में मंत्री आशीष पटेल की रिश्तेदार और

विधायक पल्लवी पटेल खुद उनके ऊपर तथ्यों के साथ दावा करते हुए आरोप लगाया है। यह अपने आप में बड़ा सुबुत है। इस पर सरकार ना तो जांच कराने को तैयार है, ना ही मंत्री को बर्खास्त कर पा रहे हैं। वहीं मंत्री ने सीएम योगी के खास सिपहसालार एसटीएफ चीफ अमिताभ यश और सूचना निदेशक शिशिर सिंह पर आरोप लगाए हैं।हजारों करोड़ की बंदरबांट हुई अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार की योजना जन जीवन मिशन में भ्रष्टाचार व्याप्त है। कहा कि केंद्र सरकार की यूपी में 31 हजार तीन सौ तीन करोड़ के घोटाले की एक जनहित याचिका उच्च न्यायालय के लखनऊ खंडपीठ में दायर की गई है। इसमें आरोप है कि इस योजना के तहत नियम कानून को ताक पर रखकर हजारों करोड़ की बंदरबांट हुई है। कुंभ मेले तक पहुंच गया भ्रष्टाचार-उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार धार्मिक मुद्दों को उठाकर सत्ता में आई। अब भाजपा राज में भ्रष्टाचार से धर्म भी अछूता नहीं रहा। राम मंदिर से शुरू हुआ भ्रष्टाचार बनारस काशी कॉरिडोर होते हुए कुंभ मेले में भी पहुंच गया है। यहां पर सारे ठेके गुजरातियों को दिए गए हैं। जो पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। जो लोग आजादी के पहले कुंभ का काम करते थे, वह आज पेटी ठेकेदारों के रूप में काम कर रहे हैं। जनता बर्दाश्त नहीं करेगी- अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार को अब प्रदेश की जनता भली भांति समझ चुकी है। अब वह इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा को वोट की चोट देकर सत्ता से बाहर करेगी।

लेखपालों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं ,कार्य वहिष्कार किया।

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। यूपी के गाजीपुर में लेखपाल के साथ हुई घटना के विरोध में शनिवार को सदर तहसील के समस्त लेखपालों ने तहसील दिवस के कार्य से अलग रहे ।संपूर्ण कार्य का बहिष्कार कर धरने पर बैठ गए। धरने की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष योगेंद्र पाल गंगवार ,तहसील सचिव सौरभ चौहान ,अध्यक्ष निर्दोष शर्मा , लेखपाल दिनेश कुमार सिंह, अभिषेक तोमर गिरीश गंगवार जयप्रकाश आदि लेखपाल मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई , हाईकोर्ट ग्रुप सी की भर्ती परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा ।बी 0आर 0जीनियस इण्टर नेशनल स्कूल में शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मजिस्ट्रेट डॉ विपिन तोमर केन्द्र व्यावस्थापक मौसुमी शर्मा के नेतृत्व में हाईकोर्ट में भर्ती के लिए ग्रुप सी की परीक्षा हुई ।केन्द्र पर कुल पंजीकृत छह सौ परीक्षार्थियों में से चार सौ उनासी ने परीक्षा दी ।एक सौ इक्कीस ने परीक्षा छोड़ दी ।इस दौरान न्यायधीश सुब्रत पाठक ने केन्द्र का निरीक्षण किया ।इस दौरान डारेक्टर अंकुर गंगवार, शक्ति पटेल ,शिवा गंगवार, नासिर खां, प्रदीप कुमार गुप्ता, वर्षा गुप्ता ,के0 पी 0 गंगवार दीपिका बनर्जी, सुलभ अग्रवाल, नैना अग्रवाल, मोहम्मद शाकिर अंसारी, सूर्य प्रकाश शर्मा थाना हाफिजगंज से भारी पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजमेर भेजी चादर 813वें उर्स की दी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- 813 वें उर्से ख़्वाजा गरीब नवाज़ के मुबारक मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजमेर स्थित महान सूफ़ी संत ख़्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर चादर भेजी है ये चादर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी दरगाह अजमेर में पेश करेंगे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के आगमन होने पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं आपको बताते चलें कि इस मुबारक मौके पर मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकील अहमद नूरी ने सभी देशवासियों के 813 वें उर्स ए ख़्वाजा की मुबारकबाद पेश करी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वधर्म हितैषी और विकास पुरुष बताकर व सबका साथ सबका विकास के नारे की प्रशंसा की इस अवसर पर आफताब रशीद मोमिन चिश्ती ,दारेन रज़ा आदि मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के अन्य पदाधिकारियो ने देश वासियों को मुबारकबाद पेश की

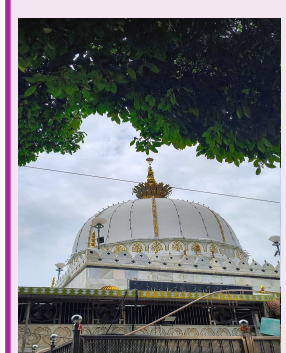

कोहरे ने रोका हवाई सफर, बंगलुरू-बरेली की फ्लाइट निरस्त; देरी से चल रहीं कई ट्रेनें

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। शीतलहर के बीच शनिवार को सुबह घने कोहरे की चादर तन गई, जिससे दृश्यता शून्य हो गई। सड़क पर लाइट जलाकर वाहनों को चलाना पड़ा। कोहरे के कारण रेल और हवाई सफर भी प्रभावित रहा। कोहरे के कारण बंगलुरू की फ्लाइट निरस्त रही। बरेली से गुजरने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। घने कोहरे से शनिवार को हवाई सफर प्रभावित रहा। बंगलुरू-बरेली की फ्लाइट निरस्त रही। एयरलाइंस के प्रतिनिधि के मुताबिक शनिवार को बंगलुरू की फ्लाइट दोपहर ढाई बजे बरेली पहुंचनी थी, लेकिन दृश्यता कम होने के कारण बंगलुरू से उड़ान नहीं भर सकी। बंगलुरू से बरेली दोपहर 2.45 बजे पर फ्लाइट आती है। यहां से शाम 5.35 बजे बंगलुरू के लिए उड़ान भरती है। शनिवार को एयर ट्रैफिक 80 फीसदी था। फ्लाइट निरस्त होने की सूचना यात्रियों को मैसेज के जरिए दी गई। उन्हें किराया वापस लेने या आगे के दिनों में यात्रा करने का विकल्प दिया गया है। रेल यातायात पर भी कोहरे का असर कोहरे का असर रेल यातायात पर भी देखा जा रहा है। शनिवार को अप-डाउन लाइन की ट्रेनों ने यात्रियों को इंतजार कराया। बरेली से गुजरने वाली 22453 मेरठ सिटी राज्यरानी एक्सप्रेस, 12392 श्रमजीवी एक्सप्रेस, 12204 सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस, 12326 गुरुमुखी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 15654 गुवाहाटी अमरनाथ एक्सप्रेस, 15910 अवध असम, 13152 कोलकाता एक्सप्रेस, 15075 टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस आदि ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इसके साथ कई विशेष ट्रेनों भी घंटों देरी से चल रही है।

गोलीकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी से मिले लखीमपुर खीरी के छह विधायक

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 907776991

लखीमपुर खीरी जिले के छह विधायकों ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष भी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। कस्ता से भाजपा विधायक सौरभ सिंह सोनू पर जानलेवा हमले के बाद लखीमपुर खीरी जिले के छह विधायकों ने शनिवार को सुबह लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ शिष्टाचार भेंट मुख्यमंत्री के साथ चर्चा गोकर्णनाथ में निर्माण कॉरिडोर को लेकर बात में दौरा भी लगेगा।उन्होंने हुई घटना को लेकर क्योंकि इस विषय पर एक चुकी है। उन्होंने कार्रवाई जिलाध्यक्ष सुनील सिंह के सदर विधायक योगेश अवस्थी, श्रीनगर विधायक शशांक वर्मा, गिरि और कस्ता विधायक पहले गृह सचिव से की हमले से नाराज भाजपा के शुक्रवार को गृह सचिव से की शिकायत की थी। जुगुल किशोर के नेतृत्व में

सुनील सिंह ने बताया कि यह मुख्यमंत्री थी। जिले के विकास कार्यों को लेकर हुई है। इसमें मुख्य रूप से गोला कराए जा रहे छोटी काशी शिव मंदिर हुई। जल्द ही मुख्यमंत्री का लखीमपुर बताया कि कस्ता विधायक के साथ मुख्यमंत्री से कोई भी बात नहीं हुई है। दिन पहले ही गृह सचिव से वार्ता हो का आश्वासन दिया था। भाजपा साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वर्मा, धौरहरा विधायक विनोद शंकर विधायक मंजू त्यागी, निघासन गोला गोकर्णनाथ के विधायक अमन सौरभ सिंह सोनू पहुंचे थे।एक दिन मुलाकात -विधायक सौरभ सिंह पर सभी विधायकों व जिलाध्यक्ष ने मुलाकात कर पुलिस की कार्यशैली जिलाध्यक्ष सुनील सिंह व पूर्व सांसद विधायक पूर्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने गए थे। हालांकि उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री की अनुपस्थित में गृह सचिव संजय प्रसाद से मिलकर पूरी घटना बताई। यह हुई थी घटना -सदर कोतवाली के मोहल्ला शिवकॉलोनी में कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू रहते हैं। वह बुधवार रात अपनी पत्नी खुशबू सिंह के साथ आवास के बाहर खाना खाकर टहलने निकले थे। इसी दौरान दो-तीन युवक उनके घर से कुछ दूरी पर शराब पी रहे थे। विधायक व उनकी पत्नी को देखकर उक्त युवकों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विधायक ने विरोध किया तो दबंगों ने फायरिंग कर दी। सीओ पर भड़के विधायक के पिता - इस घटना के बाद जिले का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। मामले की जांच के क्रम में सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी बृहस्पतिवार को जब विधायक के आवास पर पहुंचे तो वहां मौजूद विधायक के पिता पूर्व सांसद और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जुगल किशोर भड़क गए। पूर्व सांसद ने सीओ से कहा कि आप लोग किसी काम के नहीं। न तो आप न तो आपका इंस्पेक्टर और न ही एसपी जिले में रहने लायक हैं। जिले की कानून व्यवस्था बिल्कुल बिगड़ चुकी है और पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। विधायक पर गोली चल गई है। दिनदहाड़े डकैती पड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

बिखरते परिवारों को एक डोर से बांधने का सहारा बनी बदायूं पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बदायूं में रिजर्व पुलिस लाईन में आयोजित परिवार

परामर्श केंद्र के सहयोग से तथा मौजूद काउंसलर व संबंधित पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण महिला हेड कांस्टेबल कविता, म0कां0 राखी, म0का0 स्वाति, म0का0 संध्या द्वारा पारिवारिक समस्याओं की कुल 18 फाइलें लगाई गई। जिनमें से 15 फाइलों की काउंसलिंग हुई जिनमे से 01 फाइल में समझौता व 05 फ़ाईल निरस्त कर कुल 06 फाइलो का निस्तारण हुआ। शेष फाइलो में अग्रिम तिथि दी गई एवं उपस्थित पक्षों को सुना गया और उनकी समस्याओं के निवारण का विचार किया गया। 01 पारिवारिक समस्या के मामले में एक पक्ष उपस्थित हुआ उसमें अग्रिम तिथि दी गई तथा दूसरे पक्ष को तिथि पर आने हेतु सूचित किया गया हैं

विकसित मध्यप्रदेश विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने के लिए जनसंवाद वर्कशॉप का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ । मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण और समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर

होने एवं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ-साथ मध्यप्रदेश को भी विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से विकसित मध्यप्रदेश 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। जिसके माध्यम से प्रदेश सर्वांगिण एवं समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर हो सके। इसके लिए प्रदेश एवं जिले के आम नागरिको से सुझाव प्राप्त करते हुए उनके ठोस एवं व्यावहारिक विचारों को विकसित मध्यप्रदेश 2047 विजन डॉक्यूमेंट में शामिल किया जाकर एक क्रियान्वयन योग्य रोडमैप तैयार किया जा सके। कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने के लिए जनसंवाद वर्कशॉप का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में किया गया। उक्त वर्कशॉप में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु नागरिकों की आकांक्षाओं, विचारों और प्राथमिकताओं को विजन डॉक्यूमेंट में सम्मिलित करने के उद्देश्य से लिखित सुझावों को प्राप्त किया गया। संकलित फीडबैक के आधार पर विज़न डॉक्यूमेंट बनाए जाने की कार्यवाही की जाएगी। वर्कशॉप के दौरान जन प्रतिनिधिगण, डिप्टी कलेक्टर हरिशंकर विश्वकर्मा, डिप्टी कलेक्टर रीतिका पाटीदार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ भास्कर गाचले, एवं अन्य अधिकारी, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

अयोध्या में बोले सीएम योगी: हम राम को मानने वाले लोग, सपा मानती है बाबर को; रोका गया अयोध्या का विकास

सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को मिल्कीपुर में थे। उन्होंने यहां से सपा पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा सपा की सरकार में राम भक्तों पर गोली चलाई गईं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास और सनातन के प्रतीक श्रीराम की परंपरा में विश्वास रखती है। इसीलिए अयोध्या को देश ही नहीं समूचे विश्व के सामने विकास के प्रतिबिंब के रूप में स्थापित किया है। जबकि समाजवादी पार्टी विध्वंस के प्रतीक बाबर का सम्मान करती है। इसलिए वे जब सत्ता में थे तो यहां के विकास को रोका और रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं।सीएम योगी शनिवार को यहां आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए आयोजित कार्यकर्ता संवाद में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने उपचुनाव में जीत का मंत्र देते हुए कहा कि सपा के शासनकाल में प्रदेश को दंगे की आग में भी झोंके रखा गया। सपा के नेता आज भी आतंकियों, दुराचारियों और अपराधियों के साथ खड़े रहते हैं।भदरसा कांड का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि एक दुष्कर्मी को सपा नेता वृद्ध बताते हैं। उनकी परंपरा में बेटी, व्यापारियों और किसानों की सुरक्षा पर

हमेशा खतरा बना रहता है। वहीं भाजपा निरंतर देश और प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जा रही है। बिना भेदभाव सिर्फ पात्रता के आधार पर आवास, शौचालय और निशुल्क गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं। प्रदेश को अराजकता और माफिया राज से मुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री ने संभल के प्रकरण पर कहा कि 1976-78 में वहां क्या हुआ था, उसका सच अब सामने आ रहा है। आज संभल में पुलिस चौकी बन रही है और अवैध कब्जों से मंदिर निकल रहे हैं। वहां पर एक वर्ग के लोगों को उनकी आस्था से वंचित करके रखा गया था। अब भाजपा सरकार उसे वापस दिलाने का काम कर रही है। कुंदरकी ने दिया संदेश, पूजा पद्धति बदली लेकिन आस्था नहीं-सीएम योगी ने कहा कि इंडोनेशिया में सबसे अधिक मुस्लिम समाज की आबादी है। फिर भी वहां के लोग अपने को प्रभु श्रीराम का वंशज मानते हैं और अपने नाम सनातन संस्कृति के अनुसार ही रखते हैं। इसीलिए वहां के रुपये में गणपति भगवान की फोटो है और एयरलाइंस का नाम गरुड़ है। इसी कड़ी में कुंदरकी की बात करते हुए कहा कि वहां मुस्लिम आबादी 60 फीसदी से अधिक है। इसके बावजूद भाजपा को 1.45 लाख मतों से जीत हासिल हुई है। वहां के लोगों का स्वाभिमान जागा और उन्होंने जवाब दिया कि हमारी पूजा पद्धति बदली है लेकिन आस्था नहीं बदली है।

अयोध्या बस्ती के निवासीगण हेतु ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन का आध्यात्मिक व सामाजिक पुनरुत्थान कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/ बुनियादी स्कूल प्रांगण में अयोध्या बस्ती के निवासीगण हेतु ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन का आध्यात्मिक व सामाजिक पुनरुत्थान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मुख्य वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर प्रोफेसर डॉ. प्रभु नारायण मिश्र, पूर्व डीन ढ्रुस्स इंदौर, पुलिस अधीक्षक महोदय पद्मविलोचन शुक्ल की उपस्थिति में आयोजित आध्यात्मिक बातों एवं महाभारत व श्रीमद् भागवत गीता और महापुरूषों के उदाहरण बारे में जानकारी दी गई। आप इन महापुरूषों के द्वारा दिये गये मूल मंत्रों को अनुग्रहित ही है तो परोपकार का नशा पाल लिजिये, लोगो की सेवा करने का नशा पाल महान हो जायेंगे। अयोध्या बस्ती में निवासरत परिवारों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जाओगे और फिर इसका इलाज करवाने जाओगे तो उसका इतना पैसा लगेगा कि तुम सोचना चाहिये व किसी भी तरिके के नशे के सेवन को करने से बचना चाहिये। नशा धीरे आपको किसी काम का नहीं छोड़ता है। डॉक्टर प्रभु नारायण मिश्रा द्वारा उपस्थित मैं आज से, अभी से, इसी पल से मैं किसी भी मादक पदार्थ का सेवन नहीं करूंगा卐। दुष्परिणाम (नशा आपको ही नही आपकी पिढियों को बर्बाद कर रहा है) बताते हुए प्लास्टिक के उपयोग से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया एवं प्लास्टिक का बताया गया। साइबर सेल प्रभारी निरी. दिलीप मौर्य द्वारा वर्तमान में प्रचलित साइबर अनजान नंबर से आए फोन कॉल पर विश्वास न करे, किसी भी अनजान व्यक्ति से कोई सूचना देवे। साथ ही थोड़े पैसों के लालच में अपने नाम की सिम व बैंक खाता द्वारा यातायात नियमों का पालन करने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि

किया उक्त कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉक्टर प्रभु नारायण मिश्रा द्वारा उपस्थित आमजन को देकर उनकी विकट परिस्थितियों की चर्चा करते हुए उनके द्वारा दिये गये मूल-मंत्रों के कर आत्मसंयम करते हुए नशे का सेवन करने से मुक्त हो सकते है। यदि कोई नशा करना लिजिये। यदि आपने सेवा व परोपकार का नशा करना शुरू किया तो आप आदरणीय व बताया कि इसका सेवन करने से तुम बिमार हो जाओगे, गंभीर बीमारियां से ग्रसित हो अपना सबकुछ बेचकर भी इलाज नहीं करवा पाओगे। इसके दुष्परिणों के बारे में आपको एक जहर है। नशा एक धीमी गति का जहर है जो कि आपको तुरंत नहीं मारता। यह धीरे-सभी आमजन को प्रतिज्ञा दिलवाई कि 卐 मै ईश्वर को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करता हु कि पुलिस अधीक्षक महोदय पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा अयोध्या बस्ती के लोगों को नशे के नशा छोड़ने की समझाईश दी गई। साथ ही बच्चों को अच्छी शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया। उपयोग न करने हेतु बताया गया एवं अयोध्या बस्ती को नशा एवं अपराध मुक्त बनाने हेतु अपराधों के बारे में जानकारी दी कि डिजिटल अरेस्ट जैसे कोई चीज नहीं होती है। गोपनीय कोड अथवा ओटीपी साझा न करे और ऐसे फोन कॉल की तत्काल पुलिस को खोलकर किसी अन्य व्यक्ति को ना दे। थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक राजू सिंह बघेल आप वाहन चलते समय हेलमेट का उपयोग करेंगे तो गंभीर दुर्घटना से होने वाले नुकसान से बच सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उप पुलिस अधीक्षक कमलेश शर्मा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं समस्त श्रोतागणों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव, डीएसपी कमलेश शर्मा, डीएसपी गिरीश कुमार जेजूरकर, थाना प्रभारी झाबुआ निरीक्षक आरसी भास्करे, साइबर सेल प्रभारी निरी. दिलीप मौर्य, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक राजू सिंह बघेल एवं रक्षा सखी उनि अनिता तोमर एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जमुनहा तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसकीअध्यक्षता जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने तहसील जमुनहा में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित

अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिये जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत उस लाभान्वित होने से संबंधित प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाय जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण/समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 82 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से मौके पर 11 ही शिकायतों का निस्तारण किया गया बाकी सभी सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने को निर्देशित किया गया समाधान दिवस में पेंशन, भूमि विवाद, प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड बनाए जाने, विद्युत, अवैध कब्जा हटाए जाने, पेंशन तथा सड़क बनाए जाने आदि से सम्बन्धित मामले आए, जिसमें संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया इस दौरान उप जिलाधिकारी आशीष भारद्वाज तथा तहसीलदार विपुल कुमार,नायब तहसीलदार शुभम तिवारी, अधीक्षक डॉ अविनाश तिवारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे।

एग्रीस्टैक योजनाअंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति बढ़ाने के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी प्रधान पंचायत सहायकों की स्तर पर बैठ

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली एग्रीस्टैक योजनान्तर्गत फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति बढाने के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों की जनपद स्तर पर बैठक।श्री विनय कुमार तिवारी मुख्य विकास अधिकारी, शामली की अध्यक्षता में आज जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों की एक बैठक जनपद में फार्मर रजिस्ट्री कार्य को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई, जिसमें कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी, शामली द्वारा जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों को फार्मर रजिस्ट्री कार्य कराने हेतु प्रशिक्षित किया गया, जिससे किसान स्वयं किस प्रकार अपनी फार्मर रजिस्ट्री अपने फोन के माध्यम से एवं जनसेवा केन्द्रों पर आधार कार्ड, खतौनी की नकल एवं आधार से लिंक मो0नं0 ले जाकर जनसेवा के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री करा सकते है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों को बताया गया कि फार्मर रजिस्ट्री की वेबसाईट दिन में अधिक भार होने के कारण नही चल पा रही है, के कारण प्रगति संतोषजनक नहीं है। जिस कारण बैठक में उपस्थित प्रबन्धक जनसेवा केन्द्र को निर्देशित किया गया कि कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य समस्त जनसेवा केन्द्र संचालकों के माध्यम से शाम 7.00 बजे के बाद कृषकों से ओ0टी0पी0 लेकर रजिस्ट्री का कार्य अन्य मोड की तुलना में आसानी से किया जा सकता है, जिससे प्रदेश स्तर पर जनपद की रैकिंग में सुधार आ सके, एवं जनपद का 25 प्रतिशत लक्ष्य 20 जनवरी 2025 तक प्राप्त किया जाना है, यदि लक्ष्य पूर्ण नही किया गया तो कृषकों की सम्मान निधि भारत सरकार द्वारा जारी नही की जायेगी। फार्मर रजिस्ट्री कार्य सेल्फ मोड (किसान स्वयं अपने मो0से) एवं सहायक मोड (फार्मर सहायक ऐप द्वारा किसान अपने एवं अपने परिवार की फार्मर रजिस्ट्री स्वयं कर सकते है) के द्वारा भी फार्मर रजिस्ट्री का कार्य कराया जाये। फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में ग्राम प्रधानों का सहयोग अपेक्षित है।

155 नग नशीली इंजेक्शन के साथ एक महिला को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा लगातार अवैध कारोबार व सूखा नशा के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। शुक्रवार को थाना सूरजपुर पुलिस ने एक महिला से 155 नग नशीली इंजेक्शन जप्त कर उसके विरूद्ध एनडीपीएस

एक्ट की कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। दिनांक 03.01.2025 को थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम देवनगर की गोसिया फातिमा नशीली दवाई बिक्री हेतु रखी है। थाना सूरजपुर पुलिस सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु मौके पर पहुंची जहां गोसिया फातिमा पिता अब्दुल रहमान उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम देवनगर के कब्जे से 145 नग नशीली इंजेक्शन व 10 नग एविल इंजेक्शन वायल कुल 155 नग इंजेक्शन जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 80 हजार रूपये है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियां को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एएसआई विवेकानंद सिंह, बबीता यादव, प्रधान आरक्षक पुष्पा पैंकरा, आरक्षक रविराज पाण्डेय, रामकुमार नायक, महिला आरक्षक चिंता पैंकरा, रौशनी सिंह व तारावती सिंह सक्रिय रहे।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ धरना प्रदर्शन जमुनहा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जमुनहा तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा व, क्षेत्र के लेखपाल बैठे धरना प्रदर्शन पर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के अध्यक्ष ने बताया कि

धरना प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य यह है कि साजिशन झूठा फंसाये जाने की नीयत से साधारण शिकायत के आधार पर एण्टी करप्शन विजिलेन्स टीम द्वारा जबरन ट्रैप की कार्यवाही पर रोक लगाये जाने के विषय पर बैठे है लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष जमुनहा ने बताया है कि लेखपाल राजस्व विभाग का फील्ड कर्मचारी है जिसका सम्बन्ध जनता से सीधे होता है। जनता की भूमि विवाद सहित अधिकांश समस्याओं से सम्बन्धित संदर्भ निस्तारण हेतु लेखपाल के पास ही आते हैं। दो पक्षों के विवाद के निस्तारण सम्बन्धी की गयी कार्यवाही से किसी एक पक्ष का असंतुष्ट होना स्वाभाविक है। साजिशकर्ताओं द्वारा पैसा लेने के आधार पर लेखपाल को बिना रिश्वत स्वीकार किये ही गिरफ्तार किया जा रहा है। दिनांक 02.01.2025 जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद में लेखपाल को फर्जी/जबरन ट्रैप की घटना कारित की गयी। जैसा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से स्पष्ट हो रहा है कि सम्बन्धित लेखपाल, शिकायतकर्ता के गाँव से 2-2.5 किमी दूर दूसरे गाँव में अनेको ग्रामवासियों की उपस्थिति में पैमाईश कर रहा था दिनांक 04.10.2024 को जनपद महाराजगंज में लेखपाल द्वारा न कोई रिश्वत मांगी गयी और न ही रिश्वत प्राप्त की गयी फिर भी एक दलाल / साजिशकर्ता को पैसा पकड़ाकर उसका सम्बन्ध लेखपाल से बताते हुए जबरन लेखपाल को गिरफ?तार कर लिया गया। विरोध किये जाने पर एण्टी करप्शन टीम द्वारा सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया गया कि लेखपाल द्वारा कोई पैसा नहीं लिया गया है पैसा रिश्वत लेने के आधार पर लेखपाल कर्मचारी को गिरफ?तार करने पर रोक लगायी जाए। पूर्व में भी प्रमुख सचिव गृह महोदय को मिलकर अनुरोध किया जा चुका है किन्तु फर्जी जबरन ट्रैप की घटनाओं पर रोक नहीं लग रही है। ऐसे भययुक्त माहौल में ईमानदार कर्मचारी भी सही कार्य करने में डर रहा है। फर्जी जबरन ट्रैपिंग की घटनाओं से लेखपाल आक्रोशित एवं आन्दोलित है लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष ने बताया है कि उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत एण्टी करप्शन विजिलेन्स विभाग को विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत करने की कृपा करें एवं जनपद लखनऊ में सम्बन्धित सर्तकता अधिष्ठान कर्मचारी एवं रिश्तेदार के अवैध कब्जे एवं अवैध प्लाटिंग की जांच करवाकर कठोर कार्यवाही करने की कृपा करें। इस मौके पर सुनील कुमार मिश्रा लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष, सुरेन्द्र प्रताप ,संजय शुक्ला,नरेश कुमार, आशुतोष विश्वकर्मा व क्षेत्र के अन्य लेखपाल गण मौजूद रहे।

610 निर्बल व कमजोर व्यक्तियों को वितरित किए निशुल्क कंबल

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बदायूँ में डायट स्थित ऑडिटोरियम में निर्बल व कमजोर व्यक्तियों को शीतलहर से बचाव हेतु आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों की सरकार है। उन्होंने

कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने शपथ लेने के दौरान कहा था कि सरकार गरीबों, महिलाओं, किसानों व युवाओं आदि के उत्थान के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के हितार्थ कार्य कर रही है और ऐसा पूर्व में कभी नहीं हुआ। इस अवसर पर 610 निर्बल व कमजोर व्यक्तियों को निशुल्क कंबल का वितरण किया गया।केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने बताया कि गत 10 सालों में 25 करोड लोगों को गरीबों के रेखा से ऊपर लाया गया है। हर घर जल

योजना अंतर्गत 17 करोड़ परिवारों में स्वच्छ हुआ साफ जल पहुंचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना से रुपए 5 लाख तक का निशुल्क उपचार हेतु 55 करोड लोगों को लाभान्वित किया गया है। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न आपदाओं में जनपद में प्रभावित लोगों को 8 करोड़ 26 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। उन्होंने बताया कि शीतलहर के दृष्टिगत जनपद में 20 हजार निशुल्क कंबल वितरण का लक्ष्य है, जिसमें से 07 हजार वितरित कर दिए गए हैं, शेष पर कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि जनपद में स्थाई व अस्थाई रैन बसेरों का निर्माण कराया गया है साथ ही जनपद में 400 से अधिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था भी की गई है।भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता व एमएलसी बागीश पाठक ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार गरीबों के हितार्थ कार्य कर रही है। विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों को दिया गया है जिससे उनका जीवन स्तर ऊंचा हुआ है। इस अवसर पर एसएसपी डॉ बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य लोग व आमजन मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शामली मैं बढ़ती ठंड कोहरे ने आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली बढ़ती ठंड कोहरे ने जहां आम आदमी का जीवन अस्त व्यस्त कर दिया वहीं अब कोरी की घनी चादर ने अपना कहर बरसाना शुरू कर दिया जिस कारण यातायात पर भी ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा उधर हाईवे पर वाहनों को पीली लाइट जलाने के बाद

भी सामने से आ रहा वहां इस कोर के कारण नजर नहीं आ रहा जिस कारण वाहनों का आपस में टकराने का भी खतरा बना रहता है जिसके कारण क्षेत्रवासी इस कड़ाके की ठंड से बचने के लिए जगह-जगह आग जलाकर ठंड से बचने के लिए प्रयास कर रहे हैं फिर भी इस बढ़ती ठंड कोहरे के कारण गरीब वर्ग के लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया नगर पालिका परिषद द्वारा भी अबकी बार अलावे का भी प्रबंध नहीं नजर आ रहा नगर पालिका परिषद द्वारा इस बढ़ती ठंड के लिए क्षेत्र वासियों के लिए जगह-जगह अलाव का प्रबंध करना चाहिए ताकि गरीब वर्ग के लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले सके

कैराना मैं एमएलडी क्षमता के के सीवेज शोधन संयंत्र एसटी पी का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कैराना जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने आज अपने निरीक्षण में ग्राम मवी वि0क्षे0 कैराना में 15 एम0एल0डी0 क्षमता के सीवेज शोधन संयंत्र (एस.टी.पी.) का निरीक्षण कर किया और संबंधित से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के समय कार्यदाई संस्था नमामि गंगे इकाई उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण मुजफ्फरनगर से विवेक शर्मा जेई द्वारा अवगत कराया गया कि योजना की स्वीकृत लागत रू0. 78.42 करोड़ है। उन्होंने अवगत कराया कि कैराना टाउन का जो पानी ममोर झील में आता था उसको डाइवर्ट करके एसटीपी प्लांट के माध्यम से शोधन करके यमुना में प्रवाहित किया जा रहा है। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने निर्मित एसटीपी के स्ट्रक्चर (स्ट्रक्चर) मैन पंपिंग स्टेशन,और स्काडा रूम का निरीक्षण के साथ एसटीपी मॉडल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी को एसटीपी प्लांट चालू पाया गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने संबंधित से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए एसटीपी प्लांट की बाउंड्री वाल के चारों और वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा मामोर झील का निरीक्षण किया गया और संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विलेज टूरिज्म के दृष्टिगत मामोर झील को विकसित करने पर जोर देते हुए वहां पर फुटपाथ, लाइटिंग,वृक्षारोपण आदि के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मामोर झील एवं उसके आसपास के क्षेत्र को विकसित किया जाएगा तो ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।निरीक्षण के समय एसडीएम कैराना स्वप्निल कुमार यादव,खण्ड विकास अधिकारी कैराना राहुल कुमार,सहित आदि अधिकारी मौजूद रहें।

08 जनवरी बुधवार को शामली में स्पर्श सहायता शिविर एवं पेंशन सहायता शिविर का होगा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कर्नल अजय कुमार सिंह, अ0प्रा0 जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, शामली द्वारा "जनपद शामली के सभी पूर्व सैनिकों/वीर नारियों/विधवाओं एवं उनके आश्रितों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 08 जनवरी 2025 दिन बुधवार को जनपद शामली में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, कार्यालय में स्पर्श सहायता शिविर एवं पेंशन सहायता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का संचालन करने के लिए पश्चिम यू0पी0 सब एरिया मेरठ से टीम को आमंत्रित किया गया है। स्पर्श पेंशन, पी0पी0ओ0 जीवन प्रमाण पत्र फेमिली पेंशन एवं पेंशन सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण इस शिविर में किया जाएगा। जिन पूर्व सैनिकों/वीर नारियों/विधवाओं एवं उनके आश्रितों को पेंशन सम्बन्धित समस्या है वे अपनी पेंशन सम्बन्धित समस्या का समाधान करा सकते है। रजिस्टेशन हेतु पूर्व सैनिक उनकी आश्रित एवं वीर नारियां जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय शामली में उक्त मो0नं0- 8765610973, फोन नं0- 01398.2510035 पर सम्पर्क स्थापित करें।

Stop eating refined flour for a month, you will see these great changes in your body

Eating refined flour can never be a good option. Let us tell you that eating refined flour increases your weight and secondly it also has a great effect on your body. In such a situation, say goodbye to it completely. Instead of refined flour, you can use corn flour or barley or ragi flour. It is very beneficial. Eating refined flour causes many changes in the body. Eating refined flour is effective in increasing weight. Eating refined flour is very harmful for the stomach. Maida is a refined carbohydrate that can have a negative effect on your health. Eating refined flour can cause many health problems, such as weight gain, increased blood sugar, and increased risk of heart disease. Stopping eating refined flour for a month can cause many great changes in your body. Weight will start decreasing. Maida contains high amount of calories (High calories), which can cause weight gain. Stopping eating refined flour can reduce your weight. Therefore, if you give up refined flour, your weight starts decreasing and you feel much fitter than before. If you want to lose weight, then you will have to give up refined flour completely. Control of blood sugarRefined flour contains high amount of sugar, which can increase blood sugar. Stopping eating refined flour can control your blood sugar. If you want to keep yourself away from diabetes (diabetes patient) and also dream of controlling blood sugar, then you should stop consuming refined flour from today itself. Very beneficial for the heart-Refined flour contains high amount of saturated fat, which can increase the risk of heart disease. Stopping eating refined flour can improve your heart health. Quitting refined flour improves your heart a lot. Along with this, you keep yourself fit. Improvement in digestive systemRefined flour contains high amount of refined carbohydrates, which can harm the digestive system. Stopping eating refined flour can improve your digestive system. Along with this, refined flour contains high amount of sugar, which can increase energy. Stopping eating refined flour can increase your energy. Improvement is seen in hair-Refined flour contains high amount of sugar, which can damage the hair. Stopping eating refined flour can improve your hair. Let us tell you that eating refined flour also causes dandruff problem in hair. For information, let us tell you that to see these changes, you have to completely stop eating refined flour and instead consume healthy and natural foods.

Try these 5 easy remedies in winter, dandruff will stop appearing in the hair

Trim the hair regularly. Because trimming the hair regularly helps in making the hair healthy and strong. At the same time, you can also take dandruff treatment medicines. This (dandruff treatment medicine) can also reduce the problem of dandruff. The problem of dandruff in the hair can be reduced by trimming the hair regularly. It is common to have dandruff in the hair in winter. Never wash hair with hot water. Apply oil to the hair regularly. The problem of dandruff in the hair is common in winter, but you can get rid of this problem by adopting some easy remedies. It becomes common to have dandruff in the hair as soon as the cold starts. Many people get troubled by the problem of dandruff. In such a situation, today we will tell you some such remedies, by trying which you will be able to get rid of dandruff in the hair in winter. It is important to wash the hair regularly in winter. This can remove the oil and dirt accumulated in the hair, which can cause dandruff (dandruff remedies at home). If you do not wash your hair regularly, then you can understand that there may be a problem of dandruff in the hair. If you do not wash your hair regularly in winter, then it can increase the problem of dandruff for you. Use anti-dandruff shampooAnti-dandruff shampoo contains ingredients that help control dandruff. Using these shampoos regularly can reduce the problem of dandruff. You can use these shampoos while bathing. They work to remove dandruff from your hair. There are many anti-dandruff shampoos available in the market. You can use these shampoos after consulting a doctor. Apply oil regularly- Applying oil to the hair regularly nourishes the hair and can reduce the problem of dandruff. Oils like coconut oil, olive oil and almond oil are good for hair. You can also apply olive oil every night. Also, half an hour before bathing, heat coconut oil lightly and apply it on the hair. This will eliminate the problem of dandruff. Regularly applying oil to the hair does not cause dandruff. Do not wash hair with hot water Do not use hot water to wash hair. Because hot water can make the hair dry and rough, which can increase the problem of dandruff. Too hot water also damages the hair roots. Therefore, it is better to use lukewarm water to wash hair. By adopting these measures, you can get rid of the problem of dandruff in hair in winter.

Is your partner also using you? If you start getting these 4 signs then understand that his love is fake

Many times your partner can try to manipulate you (Partner Behavior) by using controlling behavior. He can tell you what you should wear, what you should eat and what you should do. In such a situation, if he does all partner is manipulating you. daily. Never resort to lies in the then it is very important to know cannot take any decision further. understand what is going on such signs by which you will not. Will resort to guilt using guilt tripping. He may or that you are not fulfilling his for all the troubles. Will do manipulate you using if you do not listen to him, he will left with no option. Will lie to manipulate you by telling lies to you. By doing this, he can expectations. While lying, he will gaslightingYour partner may make you feel that you are going situation, he will try to prove you memory is weak. Along with can try to distance you from

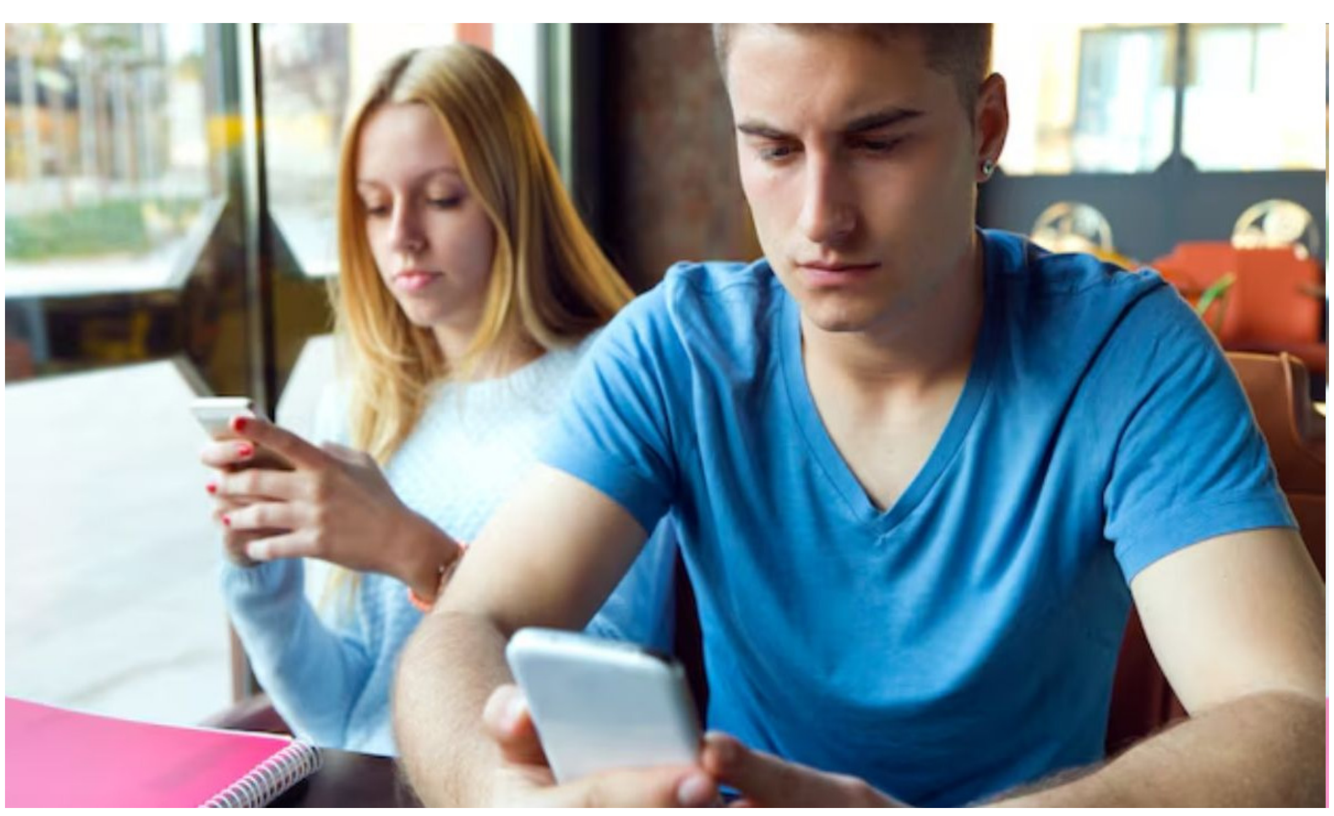

these things, then you should understand that your Communicate to end the fight Give time to each other relationship. If your partner is manipulating you, this. Because without knowing anything more, you In such a situation, it becomes important to inside your partner. Today we will tell you about some know whether your partner is manipulating you or trippingYour partner may try to manipulate you make you feel that you are not good enough for him needs. In such a situation, he will tell you the reason emotional blackmailingYour partner may try to (emotional blackmailing). He may make you feel that become sad or angry. In such a situation, you are you continuously-When your partner tries to and lies, then understand that he is constantly lying give you wrong information or give you false talk to you very nicely. Will also resort to try to manipulate you by using gaslighting. He can crazy or your memory is getting worse. In such a a liar. This will show that you are lying or your this, he can try to manipulate you using isolation. He your friends and family. Then he will make an emotional appeal - in such a situation, your partner can try to manipulate you using partner manipulates me. He can make you feel that you are very important to him and if you do not listen to him, he will get sad or angry. By recognizing these signs, you can understand the manipulative tactics of your partner and protect yourself.

'Mother liked daughter...' Sridevi's fan Ram Gopal Verma said bitter words about working with Janhvi Kapoor

Ram Gopal Verma is known for his outspokenness in the industry. He has given many hit films to the industry, including many films like Satya Rangeela, Sarkar and Company. The director remains in the news more for controversies and his statements than his work. Now recently he has given a similar statement about Sridevi's daughter Janhvi Kapoor. Ram Gopal Verma was madly in love with Sridevi- Ram Gopal Verma does not like Janhvi Kapoor Uproar over Ram Gopal Verma's statement Director Ram Gopal Verma, known for the film Rangeela, is often in the news for his statements. It can be said that Ram Gopal does not shy away from saying anything. Everything comes out of his mouth unfiltered. Whether it is to express love for someone or hatred for someone, RGV speaks everything openly. Ram Gopal was head over heels in love with Sridevi-It is no secret that Ram Gopal Varma was head over heels in love with Sridevi. He was so head over heels in love with the late Sridevi, the legendary actress of the film industry, that he would wait for hours outside the actress's house to catch a glimpse of her. But does Janhvi Kapoor have that quality and would he ever want to work with her? Ram Gopal Varma has given a very straight forward answer to this. I was crazy about her talent - Ram Gopal Varma-On his channel, the director of Satya said that he had not yet seen Sridevi in ??Janhvi. The director, who worked with the late actress in Kshana Kshanam and Govinda Govinda, said that he became a fan of Sridevi because of her talent. Varma said, "Whether it was Padharella Vayasu or Vasantha Kokila, she gave a very strong performance. In fact, seeing her performance, I forgot that I was a filmmaker and I started seeing her as an audience. Such was her range." What did he say about Janhvi Kapoor? - On the matter of working with Janhvi, Ram Gopal Varma directly said that he likes mothers and not daughters. Varma said that in his career he did not make connections with many actresses and hence he has no intention of working with Janhvi Kapoor. Earlier, Janhvi's Devraa co-star Junior NTR had said that while shooting a scene, he saw a glimpse of Sridevi in ??Janhvi.

Chum Darang's mother's prediction came true, Rajat Dalal's closest friend got eliminated

This week in Bigg Boss 18 was like a roller-coaster ride for all the housemates. After 88 days, they got a chance to meet their family members. However, this week, Salman Khan has eliminated another strong contestant from the show. A few days before the grand finale, this strong contestant was eliminated by the audience. This strong contestant was eliminated from Bigg Boss. The family member took him out of the show. He was eliminated just a few days before the grand finale. In Bigg Boss season 18, all the contestants' eyes are now set on the trophy. After the show has reached this stage, no one wants to get eliminated. However, now every week someone will have to say goodbye to the show, because the grand finale of this show is very close. After reaching the 14th week and spending so much time in the Bigg Boss house, another contestant's dream has been shattered, because after nomination, this strong contestant also had to bear the pain of elimination. Let's find out which contestant's dream was shattered this week as the grand finale approached. This strong contestant got eliminated from Bigg Boss 18 - We will tell you which contestant's journey ended after coming to the 14th week, but before that let's know which contestants were nominated this week. The contestants who were nominated to be evicted from the house this week include Vivian Dsena, Shrutika Arjun, Chahat Pandey, Isha Singh, Avinash Mishra, Kashish Kapoor, Rajat Dalal. This week's bottom 2 included the names of Isha Singh Kashish Kapoor, who got the least votes from the audience. Now a news page that shares every update of Bigg Boss has shared this information on its official Instagram account that Kashish Kapoor, who came as a wild card entry this week, has been eliminated from the show. How was the game of Kashish Kapoor, who came as a wild card entry? Talking about Kashish Kapoor's game, she came to the show as a wild card entry along with Digvijay Singh Rathi. In the first week, there was a lot of tussle between her and Digvijay because of their old show, but soon Kashish Kapoor's game started to falter. She disappeared somewhere in the house after two weeks of coming. However, this week the entire episode of one day was based on Kashish Kapoor, because she had accused Avinash Mishra of womanizing and said that she was not trying to make any kind of angle. Salman Khan had scolded her a lot in this regard in Weekend Ka Vaar. When Kashish Kapoor's mother came to the house this week in Family Week, she scolded Avinash Mishra a lot.

'Man changes color like a chameleon', wife Sunita Ahuja's angry words about husband Govinda, what is the reason for the rift?

Govinda is considered one of the veteran actors of the film industry. The audience is still crazy about his playful style and dance moves. The actor's wife Sunita Ahuja is also very famous for her fun-filled style. Recently, she has said something about her husband
Bollywood's Hero No. 1 Govinda is known for his unique style.
often remains in the news. Recently, his wife Sunita Ahuja
years of marriage, his perspective has changed. Now
statement of hers, people are guessing whether
What a difference between the initial years of
Sunita Ahuja told that at the peak of her
whereas in those days, dozens of news of
conversation with Pinkvilla, she said, 'I was
after 60, people become crazy. You don't
asked if the rumours about her husband
In those days, she understood his busy
said that if such news is heard now, then
changes color like a chameleon'
again, never trust him, he is a man, he
However, apart from jokes and fun, the
got married on 11 March 1987 and they have
Both of them are often seen in guest appearances
Dhawan with Govinda- In the interview, she also
compared to Govinda, Sunita said, 'They talk, they
also feel bad that they compare me with Salman, with Chi-
the Baby John actor that he was a naughty child since childhood.

which is being discussed everywhere. Let's know what is the whole matter.
The actor is certainly away from the film industry these days but he
talked about her husband. The actor's wife has said that after
she does not feel confident in this relationship. From this
there is any rift in the relationship between the two.
marriage and now In an interview to the media,
career, she used to feel secure about Govinda,
the actor's affair used to come out. In a
very secure earlier, but not anymore. You know,
know what they will do next.' She was further
affected her. In response to this, she said, no.
schedule. However, on this point, she further
one might start feeling uncomfortable. 'A man
Continuing her talk, she said, 'I am saying
changes color like a chameleon, brother.'
couple shares a very strong bond. Both of them
two children named, Tina Ahuja and Yashvardhan.
on TV shows. Such a reply on comparison of Varun
talked about Varun Dhawan. On Varun Dhawan being
compare but I don't understand why they say it. He must
Chi Bhaiya but I don't understand why?' She further said about